इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा (तबला) नियमित/स्वाध्यायी

मुख्य परीक्षा/बाह्य मूल्यांकन

क्रियात्मक-मौखिक

अंक विभाजन पत्रक

वर्ष-

केन्द्र का नाम : .....

पूर्णांक- 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक-36

क्रमांक	पाठ्यक्रम	पूर्णांक	रोलनं.	रोलनं.	रोलनं	रोलनं.	रोलनं.	रोलनं	रोलनं.	रोलनं.
1.	त्रिताल एवं झपताल में सम्पूर्ण सर्वांगिन सुन्दर पढ़न्त सहित) एकल वादन।	30								
2.	एकताल एवं रूपक में सम्पूर्ण एकल वादन।	30								
3.	दिये गए बोल समूह के आधार पर तिहाई, टुकड़ा, चक्रदार (फरमाईशी एवं कमाली) इत्यादि बनाकर तबले पर बजाने की क्षमता।	15								
4.	विलम्बित लय में ठेकों को भरने और मुखड़े, मोहरे बजाकर सम पर आने का अभ्यास पाठ्यक्रम के सभी तालों में नगमा बजाने का अभ्यास।	10								
5.	पाठ्यक्रम के सभी तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ आदि विभिन्न लयकारियों में पढ़त करना तथा तबले पर बजाना। (पाठ्यक्रम के ताल दादरा, रूपक, पश्तो, कहरवा, झपताल, रूद्र, एकताल, झूमरा, दीपचंदी, आडाचौताल, सवारी, त्रिताल, तिलवाड़ा, अद्धा, जत, सूलताल एवं चौताल)	15								
	योग	100								

स्थान :- .....

दिनाँक :-

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

नाम .....

पता .....